जल प्रौद्योगिकी केन्द्र
भा.कृ.अ.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
नई दिल्ली–110012
WATER TECHNOLOGY CENTRE
ICAR-INDIAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
NEW DELHI-110012

डॉ. पी. एस. ब्रह्मानंद
परियोजना निदेशक
Dr. P. S. Brahmanand
Project Director

परियोजना निदेशक की कलम से.....

हमारा देश विश्व के अन्य सभी देशों की भांति ही वैश्विक जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है। विभिन्न प्रकार की आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को ध्यान में रखें तो हम यह पाते हैं कि जल से संबन्धित विभिन्न विषयों में वैज्ञानिक सलाह और शोध आधारित क्रियाकलापों के कार्यान्वयन के द्वारा हम न केवल उन सभी समस्याओं का सफलता पूर्वक सामना कर सकने में सक्षम हैं वरन उन के निराकरण में भी सक्षम हैं। साथ ही उन समस्याओं जैसे; सूखा, बाढ़, भू-स्खलन, भू-अपरदन, गुणवत्ता ह्रास और अपशिष्ट जल में वृद्धि इत्यादि के होते हुये भी उन्नत जल प्रबंधन के द्वारा देश के गुणवत्तापूर्ण फ़सलोत्पादन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दे सकते हैं। अर्थात कृषि क्षेत्रों में उन्नत जल प्रबंधन ही वैश्विक जलवायु प्रबंधन की कुंजी है।

जल जागरण को सुगमता से पूरे भारतवर्ष में पहुँचाने के भावना से प्रेरित होकर वैज्ञानिकों की सहमति से यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र अपने शोध कार्यों को जन मानस से परिचित करवाने के लिए हर तीसरे माह राजभाषा में रचित आलेखों के माध्यम से एक पत्रिका में उन्नत शोध कार्यों की जानकारी देगा और इस के साथ-साथ किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु उन के द्वारा समय समय पर पूंछे वाले प्रश्नों का सम्यक उत्तर भी देगा। जिससे किसानों को सिंचन, जल प्रबंधन और जल निकास, भू-जल, भू—जल पुनर्भरण, सतही और भू जल की गुणवत्ता, अपशिष्ट जल के अनुप्रयोगों और फसल जल मांग का निर्धारण, सिंचाई की विधियों इत्यादि के बारे समग्र जानकारी पत्रिका के माध्यम से सुचारु रूप से दिया जा सके। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह पत्रिका अपने उद्देश्यों में पूर्णत: सफल सिद्ध होगी।

पी एस ब्रह्मानंद

स्थान : नई -दिल्ली
दिनांक: 15-03-2024

(पी. एस. ब्रह्मानन्द)
परियोजना निदेशक